

**निन्यानवे** वि. (तद्.) निन्यानवे, निन्नावे जो गिनने में नब्बे (90) से नौ (9) अधिक हो, अंकों में 99 टि. मानक हिंदी में 'निन्यानवे' को ही शुद्ध माना गया है।

**निपंक** पुं. (तत्.) नदी, झील, तानाब या समुद्र के तल की गीली मिट्टी, कीच, कीचड़, कीचट, दलदल, तलछट, गाद, तरछट।

**निपंग** वि. (तद्.) 1. पंगु, लँगड़ा, अपाहिज, जो सामान्य रूप से चल न सके 2. जो ठीक से काम न कर सके, निकम्मा।

**निपज** पुं. (तद्.) पर्या. उपज।

**निपजना** अ.क्रि. (तद्.) उपजना, उत्पन्न होना, पैदा होना।

**निपजाना** स.क्रि. (तद्.) उत्पादन करना, बोना, पैदा करना।

**निपट** अव्य. (देश.) पूरी तरह, एकदम, नितांत, बिलकुल, सरासर, शत प्रतिशत, निरा, एकमात्र, अमिश्रित, केवल।

**निपटना** अ.क्रि. (देश.) 1. (कार्य) पूरा होना, समाप्त होना, खत्म होना, निःशेष होना, करने को बाकी न रह जाना 2. नित्यकर्म से, शौच आदि क्रियाओं से निवृत्त होना, फुरसत पाना 3. (विवाद/झगड़े/ मुकदमे आदि का) निर्णय होना या तय होना 4. (लड़ाई/झगड़े आदि का सामान्यतया धमका कर धौंस पट्टी आदि से एकपक्षीय समाधान करने के लिए लड़ाई करना 5. कर्ज, ऋण या देनदारी का चुकता होना।

**निपटान** पुं. (देश.) निपटाने की क्रिया/भाव। उदा. 1. कूड़े का निपटान हो गया 2. मुकदमे का निपटान हो गया। settlement

**निपटाना** स.क्रि. (देश.) 1. समाप्त करना, कार्य पूरा करना, खत्म करना 2. (नित्यकर्म आदि से) निवृत्त होना, फुरसत पा लेना 4. (विवाद/झगड़े आदि का) फैसला करना, निर्णय देना या करना 4. (झगड़े आदि के लिए) संघर्ष करना 5. (ऋण आदि को) चुकता कर देना पर्या. निबटाना।

**निपटारा** पुं. (देश.) 1. निपटाने या निपटने की स्थिति/क्रिया या भाव, फुरसत 2. विवाद झगड़े आदि में दोनों पक्षों को मान्य निर्णय अथवा विशेष स्थिति में थोपा गया फैसला, निर्णय, फैसला 4. ऋण, देनदारी, कर्ज आदि को चुकता करना 5. दुकानदारों द्वारा माल के समाप्त करने के लिए ऐसी कीमत पर माल बेचना जिससे लाभ भले न हो, किसी न किसी तरह उसकी मूल कीमत वसूल हो जाए।

**निपतन** पुं. (तत्.) ऊपर से नीचे आ जाना, उतरना, गिरना, पतन।

**निपतित** वि. (तत्.) नीचे आया हुआ, उतरा हुआ, गिरा हुआ।

**निपत्र** वि. (तत्.) (ऐसा वृक्ष या पौधा) जिसमें पत्ते न हों, पत्रहीन, बिना पत्तों वाला।

**निपात** पुं. (तत्.) गिरना, पतन संस्कृत की व्याकरणिक परंपरा के अनुसार चार शब्द वर्गों में एक जो 'अव्यय' का पर्याय है अर्थात् जिसके शब्दरूप न बने, वह वाक्य के अर्थ को प्रभावित करता है, ये वर्ग हैं- नाम, आख्यात, निपात और उपसर्ग उदा. हिंदी भाषा के निपात हैं- ही, भी, तो, भर इत्यादि उदा. 'तक' (मुझ तक को नहीं बताया), न 2. गिरना, टूटना, ढह जाना, ढेर हो जाना, बैठ जाना, जल बिंदु के निपात से घड़ा भर जाता है, भवन का निपात अनेकों को कालकवलित कर गया 3. वि. (देश.) बिना पत्तों का (वृक्ष या पौधा)

**निपातन** पुं. (तत्.) 1. गिरने की क्रिया या भाव 2. नाश, वध करना, मार डालना 3. ध्वंस

**निपातित** पुं. (तत्.) गिराया हुआ, विनाशित, किसी के द्वारा हत या आहत।

**निपाती** पुं. (तत्.) गिरने वाला, फेंकने वाला, नाश करने वाला, मार गिराने वाला 2. वि. (देश.) बिना पत्तों का (वृक्ष या पौधा)।

**निपिंड** पुं. (तत्.) साँचे या ढाँचे से बनाई गई धातु की झिल्ली, सिल या पिंड जिससे धातु को लाने-ले जाने में सुविधा हो और बाद में उस धातु को